बरेली, शुक्रवार
15 सितंबर, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

PAGE NO, 08, BOTTOM

जी20 : कोयले से बिजली बनाने के तरीके में आएगी कमी, होगा फायदा

चैंबर आफ कामर्स एवं इंडस्ट्री वेलफेयर की ओर से हुआ कार्यक्रम, भारत की अर्थव्यवस्था पर क्या पड़ेगा फर्क पर हुई चर्चा

चैंबर आफ कामर्स की सेमिनार में बाएं से अभिनव अग्रवाल, बीच में बैठे सर्वेश्वर शुक्ला, ज्वाइंट कमिश्नर इंडस्ट्री व संबोधित करते अर्पित अग्रवाल • सौ. चैंबर

जागरण संवाददाता, बरेली : चैंबर आफ कामर्स एवं इंडस्ट्री वेलफेयर एसोसिएशन ने बुधवार को जी20 सम्मेलन से भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के विषय पर कार्यक्रम किया। मुख्य वक्ता एसआरएमएस के प्रोफेसर डा. सौरभ गुप्ता और दानिश सिद्दीकी रहे। उन्होंने जी20 सम्मेलन से भारत को होने वाले फायदों के बारे में बताया। विशेष अतिथि संयुक्त आयुक्त उद्योग सर्वेश्वर शुक्ला एवं यूपीसीडा से मंसूर कटियार रहे।

डा. सौरभ ने बताया कि जी20 सम्मेलन से भारत की अर्थव्यवस्था पर काफी प्रभाव पड़ेगा। आटोमोबाइल, मोबाइल और नवीनीकरणीय ऊर्जा जैसे उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए बाजार एवं निवेश के लिए वृद्धि होगी। इससे खाद्य सुरक्षा एवं पोषण के उच्च स्तरीय सिद्धांतों में सुधार के अवसर बढ़ेंगे। जलवायु अनुकूलन कृषि के बुनियादी ढांचे के निर्माण में भी सहायता मिलेगी। डा. मोहम्मद दानिश ने कहा कि इस सम्मेलन से कोयले से बिजली उत्पादन के तरीके को भी धीरे-धीरे कम करने के प्रयास में तेजी आएगी, जिससे पूरे देश को फायदा होगा। यह भी बताया कि सम्मेलन में इस बात पर भी सहमति हुई है कि डब्ल्यूटीओ में विवाद एवं निपटान प्रणाली अगले वर्ष तक फिर से कार्य करेगी। इससे पहले संस्था के अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, सचिव अर्पित अग्रवाल ने अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया।

कार्यक्रम में सुरेश सुंदरानी, किशोर कटरू, दिनेश गोयल, रवि प्रकाश अग्रवाल, एसके सिंह, विमल रेवाड़ी, विनोद ग्रोवर आदि मौजूद रहे।